University in News on 21 September 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : रैगिंग की सूचना पर विधि हॉस्टल पहुंचे कुलपति

प्रॉक्टोरियल बोर्ड के साथ शुक्रवार को नवीन परिसर पहुंचे कुलपति। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में रैगिंग से आहत विधि छात्रों के हॉस्टल छोड़ने की खबर अमर उजाला में प्रकाशित होने के बाद कुलपति प्रो. आलोक कुमार शुक्रवार को प्रॉक्टोरियल बोर्ड के साथ नवीन परिसर पहुंचे। यहां कुलपति ने विधि छात्रावास के विद्यार्थियों से बातचीत की।

कुलपति ने छात्रों से कहा कि अगर उन्हें कोई भी परेशान करता है, तो वे इसकी शिकायत करें। शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। अमर उजाला में

छात्रों से कहा- बिना डरे करें शिकायत

शुक्रवार के अंक में 'पूरी रात आधे कपड़ों में छत पर खड़े रखते हैं सीनियर' शीर्षक से खबर छपने के बाद विवि प्रशासन हरकत में आया। विश्वविद्यालय के छात्रावासों में रैगिंग के संबंध में सख्त निर्देश जारी किए गए हैं और कहा गया है कि अगर किसी भी विद्यार्थी की रैगिंग संबंधी घटना में संलिप्तता पाई जाती है, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

इसके साथ ही प्रॉक्टोरियल बोर्ड समय-समय पर छात्रावासों का औचक निरीक्षण भी करेगा।

'तकनीक व एआई से उर्दू को करें समृद्ध'

लखनऊ। लखनऊ विवि में उर्दू भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से साप्ताहिक कार्यशाला हुई। उद्घाटन के बाद कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि उर्दू एक बेहतरीन भाषा है। इसका साहित्य अनमोल है। हमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) और तकनीक के नव प्रयोगों के साथ इसे समृद्ध करने पर काम करना होगा। प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा, कार्यशाला में नौ विभागों और आठ विश्वविद्यालयों के 96 शोधार्थी मौजूद रहे। संयोजक डॉ. फाजिल अहसन हाशमी ने कहा कि इस कार्यशाला से भाषा की विशेषता को एक नया रूप मिलेगा। (संवाद)

स्वच्छता पखवाड़े में सफाई का संदेश

लखनऊ। लविवि के शिवाजी ग्राउंड में शुक्रवार को स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में स्वच्छ पर्यावरण और साफ-सफाई का संदेश दिया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की ओर से एक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में लविवि अन्य विश्वविद्यालयों के स्वयंसेवकों ने भी प्रतिभाग किया। कुलपति प्रो. आलोक राय, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अमरेंद्र कुमार, युवा अधिकारी समरदीप सिंह, प्रो. मंजू सिंह आदि शिक्षक उपस्थित रहे। (संवाद)

अब नए शिक्षक भी बन सकेंगे शोध पर्यवेक्षक

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नई नियुक्ति पाने वाले शिक्षक भी शोध पर्यवेक्षक (पीएचडी गाइड) बन पाएंगे। प्रोबेशन अवधि का नियम इसमें रोड़ा नहीं बन पाएगा। ऐसे में वह बिना रुकावट छात्रों को पीएचडी करवा सकेंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के इस संबंध में आदेश जारी करने के बाद कुलपति को प्रस्ताव भेजा गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के पीएचडी अध्यादेश 2023 में नए शिक्षकों के पीएचडी कराने के संबंध कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है। नियमानुसार प्रोबेशन अवधि पूरी होने के बाद ही शिक्षकों को पीएचडी गाइड बनने के लिए अर्ह माना जाता है। यूजीसी की ओर से स्पष्ट निर्देश जारी करने बाद कि पीएचडी कराने के लिए निर्धारित मापदंड और शर्तें पूरी करने वाले शिक्षक को पीएचडी शोधार्थी आवंटित किए जा सकते हैं। अब इस आदेश के बाद विवि के कुलसचिव कार्यालय ने अनुमोदन के लिए कुलपति को प्रस्ताव भेज दिया है। वहां से मंजूरी मिलते ही नए शिक्षकों के लिए पीएचडी कराने की राह साफ हो जाएगी।

लविवि : यूजीसी के निर्देश के बाद कुलपति को भेजा प्रस्ताव

सुपरवाइजर बनने के लिए है यह मानदंड

यूजीसी ने शिक्षकों के पीएचडी सुपरवाइजर बनने के लिए जो मानदंड निर्धारित किए हैं, उसमें असिस्टेंट प्रोफेसर के संदर्भित पत्रिकाओं में तीन शोध पत्र प्रकाशित होने चाहिए। जबकि प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर को पीएचडी गाइड बनने के लिए पांच शोध पत्र प्रकाशित कराना अनिवार्य है।

■ **खाली सीटों का मांगा जा चुका है ब्योरा:** लविवि में पीएचडी सीटों को विज्ञापित करने के लिए शिक्षकों से उनके अधीन खाली सीटों का विवरण उपलब्ध कराने को निर्देशित किया जा चुका है। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने इस संबंध में पत्र जारी करते हुए सभी शिक्षकों को विभागीय शोध समिति (डीआरसी) के अनुमोदन के बाद नियमित व पार्टटाइम सीटों का ब्योरा देने को कहा था। यह ब्योरा उन्हें 20 सितंबर तक प्रवेश समन्वयक कार्यालय में देना था।

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू में अब नए शिक्षक भी करा सकेंगे पीएचडी

प्रस्ताव

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में नवनियुक्त शिक्षक भी अब पीएचडी करा सकेंगे। इसमें उनके प्रोबेशन अवधि का नियम रोड़ा नहीं बन पाएगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से सर्कुलर जारी किया गया था जिस पर कुलपति को प्रस्ताव भेजा गया है।

एलयू के संशोधित पीएचडी अध्यादेश 2023 में नए शिक्षकों के पीएचडी कराने के संबंध कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है। नियमानुसार प्रोबेशन अवधि पूरी होने के बाद ही शिक्षकों को पीएचडी गाइड बनाने का अर्ह माना जाता है। जिसके लिए विभागीय शोध समिति (डीआरसी) से मंजूरी अनिवार्य होती है। लेकिन यूजीसी की ओर से स्पष्ट निर्देश जारी हुए हैं कि पीएचडी कराने के लिए निर्धारित मापदंड और शर्तें पूरी करने वाले शिक्षक को पीएचडी शोधार्थी आवंटित किए जा सकते हैं। जिसके बाद कुलसचिव कार्यालय ने कुलपति को अनुमोदन के लिए प्रस्ताव भेज दिया है। जहां से मंजूरी मिलने पर नवनियुक्त शिक्षक भी पीएचडी करा सकेंगे।

यूजीसी ने पीएचडी सुपरवाइजर बनने के मानदंड तय किए हैं उसमें सहायक आचार्य के संदर्भित पत्रिकाओं में तीन शोध पत्र प्रकाशित होने चाहिए।

■ यूजीसी ने प्रोबेशन अवधि में कार्य कर रहे शिक्षकों को लेकर जारी किया सर्कुलर

100 सीटें बढ़ सकती हैं

एलयू में बीते वर्ष से लेकर अब तक 80 से अधिक नए शिक्षक नियुक्त किए गए हैं। जिसमें कला, वाणिज्य, विज्ञान समेत कई अन्य संकाय भी हैं। ऐसे में यदि सहायक आचार्य स्तर पीएचडी कराने के अर्ह पाए जाते हैं तो कम से कम सौ सीटें बढ़ जाएंगी।

स्वच्छता की शपथ

एलयू के शिवाजी मैदान में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और एनएसएस राज्य संपर्क अधिकारी प्रो. मंजू सिंह के संबोधन संग शुरू हुआ। कुलपति ने स्वच्छता की शपथ दिलाई। रैली भी निकाली गई।

जबकि प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर को पीएचडी गाइड बनने के लिए पांच शोध पत्र प्रकाशित होने अनिवार्य हैं।

तकनीक, एआई से उर्दू भाषा साहित्य को बढ़ावा : कुलपति

लखनऊ, संवाददाता। उर्दू भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने के लिए तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल करें। शोध का प्रारंभिक बिंदु कठिनाइयों और समस्याओं की पहचान है और अंत मौजूदा ज्ञान में वृद्धि है। यह बातें लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने उर्दू विभाग की ओर से आयोजित सात दिवसीय शोध कार्यशाला के उद्घाटन पर कही।

96 शोधार्थी कार्यशाला में प्रतिभाग कर रहे

प्रति कुलपति प्रोफेसर मनुका खन्ना ने बताया कि शोध कार्यशाला में एलयू के नौ विभागों के शोधार्थी और आठ विश्वविद्यालयों के 96 शोधार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं। चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर राकेश द्विवेदी ने कहा कि भाषा, साहित्य में कार्यशालाएं कम ही देखने को मिलती हैं।

एलयू: पीसीएस बन सकते हैं कुलसचिव

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में कुलसचिव के पद पर पीसीएस अफसर को तैनात किया जा सकता है। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग से नियुक्ति विभाग को पत्र भेजा जा चुका है।

एलयू में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह के तबादले के बाद अभी तक किसी को भी नियुक्त नहीं किया गया है। अब कुलसचिव पद के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने नियुक्ति विभाग को पत्र भेजकर पीसीएस अफसर की तैनाती को कहा है। जिससे ऐसा लग रहा है कि जल्द ही तैनाती होगी।

एलयू कुलपति ने रैगिंग को लेकर छात्रों से पूछताछ की

एलयू में होमी जहांगीर भाभा छात्रावास का शुक्रवार को कुलपति ने निरीक्षण किया।

फॉलोअप

- कुलपति की अगुवाई में छात्रावास का निरीक्षण
- छात्रों ने नहीं स्वीकारी रैगिंग जैसी कोई घटना

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर स्थित होमी जहांगीर भाभा छात्रावास का शुक्रवार को कुलपति की अगुवाई में निरीक्षण हुआ। रैगिंग की घटना संबंधित खबर का संज्ञान लेते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्रों से बातचीत की। उनके साथ प्रति कुलपति प्रोफेसर मनुका खन्ना, डीएसडबल्यू प्रो. वीके शर्मा, मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, चीफ प्रवोस्ट प्रोफेसर अनूप सिंह मौजूद रहे। सभी ने छात्रों से रैगिंग के बोरे में सवाल पूछे लेकिन विद्यार्थियों ने रैगिंग को घटना नकार दी।

छात्रों से रैगिंग को लेकर सवाल पूछे गए: कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि एचजेबी और कौटिल्य छात्रावास के छात्रों से रैगिंग को लेकर सवाल पूछे गए। हर विद्यार्थी से बात की गई। मगर किसी ने भी रैगिंग को स्वीकार नहीं किया।

कुलपति का कहना है कि होमी जहांगीर भाभा छात्रावास में रैगिंग होने की घटना के बारे में विश्वविद्यालय प्रशासन से भी किसी छात्र ने अभी तक कोई शिकायत नहीं की है। इसके बाद भी छात्रहित को देखते हुए छात्रावास का निरीक्षण किया और छात्रों से वार्ता भी की।

रैगिंग की घटना पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित होगी: कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन रैगिंग के प्रति अति संवेदनशील हैं। यदि भविष्य में भी इस प्रकार की किसी घटना के बारे में जानकारी होती है तो नियमानुसार कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लविवि ने निकाली स्वच्छता जागरूकता रैली

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देशानुसार तथा राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश व राष्ट्रीय सेवा योजना लविवि के तत्वावधान में शुक्रवार को सुबह 9:30 बजे स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का भव्य आयोजन लविवि के छत्रपति शिवाजी खेल प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों के स्वागत से हुआ। इसके पश्चात एनएसएस लविवि के कार्यक्रम समन्वयक डा.अमरेन्द्र कुमार ने आयोजन की संक्षिप्त रूपरेखा पेश की। प्रो.मंजू सिंह, कार्यक्रम समन्वयक डा.अमरेन्द्र कुमार व एनएसएस क्षेत्रीय निदेशालय के युवा अधिकारी समरदीप सक्सेना एवं शहर में स्थित अन्य विश्वविद्यालय के समन्वयकगण ने अपना सम्बोधन दिया। इसके बाद कुलपति द्वारा सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इसी कड़ी में एक स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन भी किया गया जो शिवाजी खेल प्रांगण से आरम्भ होकर, मुख्य कुलानुशासक कार्यालय विवेकानन्द द्वार होते हुए विश्वविद्यालय के गौरव स्थल पर सम्पन्न हुई।

TOI PAGE 2

LU NSS unit's cleanliness campaign held

Lucknow: The National Service Scheme (NSS) Unit of Lucknow University, in collaboration with the state NSS cell of UP and under directives of the ministry of youth affairs and sports, Union govt, organized a 'Swachhata hi Seva' event at Chhatrapati Shivaji Sports Ground on Friday.

The event was part of the ongoing nationwide Swachhata fortnight being observed from Sept 17 to Oct 2. Highlighting the significance of cleanliness, vice-chancellor Prof AK Rai said, "A clean environment is the foundation of a healthy society and it is our duty to ensure that we contribute to making our surroundings cleaner." He also administered Swachhata pledge to attendees. Manju Singh, state liaison officer of the NSS, emphasized the collective responsibility of students and educational institutions in spreading awareness. "Our efforts will leave lasting impact on community as students are the torch-bearers of a cleaner and greener tomorrow," she said. TNN

Participants at the 'Swachhata hi Seva' event on Friday

i-NEXT PAGE 4

टीम पहुंची, दीवार फांद भागे छात्र

एलयू वीसी ने हॉस्टल जाकर की छात्रों से बात

CONCEPT PIC

LUCKNOW (20 SEPT): लखनऊ यूनिवर्सिटी के सेकंड कैंपस में होमी जहांगीर भाभा लॉ हास्टल में कथित रैगिंग की घटना को संज्ञान में लेते हुए वीसी प्रो. आलोक कुमार राय शुक्रवार शाम हॉस्टल पहुंचे. इस दौरान उन्होंने हॉस्टल का निरीक्षण कर स्टूडेंट्स से पूछा क्या रैगिंग हुई है. नए एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स ने इस तरह की घटना को सिरे से खारिज कर दिया. वहीं, सीनियर स्टूडेंट्स ने भी रैगिंग की बात को पूरी तरह नकार दिया.

रिवाल्वर संग कैंपस आए दो लोग

जानकीपुरम के द्वितीय परिसर में बनी कैंटीन के पास दो व्यक्ति फोर व्हीलर में अपने साथियों के साथ कैंपस पहुंचे. उनके पास रिवाल्वर होने की सूचना मिलते ही प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने तुरंत जानकीपुरम पुलिस को फोन कर बुलाया और उनके हवाले कर दिया. एडमिशनल प्रॉक्टर प्रो. मोहम्मद अहमद ने जानकीपुरम थानाध्यक्ष को लिखित शिकायत करते हुए दोनों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के लिए कहा है. यह पता नहीं चल सका है कि ये छात्र हैं या बाहरी व्यक्ति.

नहीं मिली है कोई शिकायत

वीसी ने कौटिल्य हॉस्टल का निरीक्षण कर वहां के छात्रों से बात की तो उन्होंने भी रैगिंग की घटना से इंकार किया. वीसी ने बताया कि होमी जहांगीर भाभा में रैगिंग की घटना के बारे में यूनिवर्सिटी प्रशासन को स्टूडेंट्स से कोई शिकायत अभी नहीं मिली है. स्टूडेंट्स ने भी इससे इंकार किया है.

घटना हुई तो सख्त एक्शन

वीसी ने कहा कि यूनिवर्सिटी प्रशासन रैगिंग के प्रति अति संवेदनशील है. भविष्य में भी इस प्रकार की घटना के बारे में जानकारी होती है तो नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी. वहीं शुक्रवार को जानकीपुरम थाने की पुलिस भी कैंपस पहुंची और एडिशनल प्रॉक्टर से इस मामले की जानकारी ली.

प्रॉक्टोरियल टीम पहुंची हॉस्टल

रैगिंग की सूचना के बाद प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने मुख्य परिसर के एलबीएस हॉस्टल में गुरुवार देर रात औचक निरीक्षण किया. टीम को देखकर दूसरे हॉस्टल के कई छात्र वहां से दीवार फांदकर भाग निकले. हॉस्टल के पास दो सीनियर छात्र टहलते मिले. इनमें कुछ छात्र हबीबुल्लाह के बताए जा रहे हैं. तुरंत ही टीम ने महमूदाबाद हॉस्टल के एक-एक कमरे में छात्रों की उपस्थित देखी, दो-तीन लोग गायब मिले. इनको नोटिस भेजकर जवाब मांगा जाएगा.

JAGRAN CITY PAGE III

'मालिक' के लिए सुभाष छात्रावास बना प्रयागराज का अस्पताल

महेन्द्र पाण्डेय • जागरण

लखनऊ : 'स्त्री-2 सरकटे का आतंक' सुपरहिट होने के बाद अभिनेता राजकुमार राव की अगली फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' 11 अक्टूबर को रिलीज होने जा रही है। इसी बीच राजकुमार राव ने अपनी नई फिल्म 'मालिक' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के सुभाष छात्रावास को 'इलाहाबाद हास्पिटल एंड मेडिकल यूनिवर्सिटी' के रूप में दिखाया जा रहा है। इन दिनों देर रात में इस फिल्म की शूटिंग छात्रावास में की जा रही है। इसकी शूटिंग लखनऊ के अलावा कानपुर, देवरे-रायबरेली आदि स्थानों पर भी की जाएगी।

फिल्म 'भक्षक' के निर्देशक पुलकित 'मालिक' का निर्देशन कर रहे हैं। इस फिल्म में राजकुमार राव गैंगस्टर की भूमिका में दिखेंगे। वह लीड रोल में हैं। फिल्म की टैग लाइन 'मालिक पैदा नहीं हुए तो क्या बन तो सकते हैं...' चर्चा में है। फिल्म इस थीम पर केंद्रित होगी कि एक गैंगस्टर मालिक के घर जन्म तो नहीं लेता, लेकिन अपने कर्मों से मालिक बन जाता है। 'मालिक' में राव के साथ मिस वर्ल्ड व अभिनेत्री मानुषी छिल्लर भी प्रमुख किरदार में होंगी। इसमें अभिनेता सौरभ शुक्ला, सौरभ सचदेवा, अंशुमान पुष्कर, स्वानंद किरकिरे भी दिखेंगे।

कई स्थानीय कलाकार भी विभिन्न किरदार में नजर आएंगे। इनमें मो. सैफ, नवल किशोर, बंटी सिंह, पुनीता अवस्थी, सुखेष आदि शामिल हैं। लखनऊ और आसपास में शूटिंग का शेड्यूल करीब नवंबर तक है।

रात दो बजे सजा सेट... सुबह तक शूटिंग : गत गुरुवार को राजकुमार राव और सौरभ शुक्ला सुभाष छात्रावास में शूटिंग करते नजर आए। अपहरण, गैंगवार और फायरिंग के दृश्यों के लिए इसकी अधिकतर शूटिंग रात में की जा रही है। अस्पताल के सभी दृश्य देर रात ही फिल्माए गए हैं। इसके लिए कलाकारों को रात करीब दो बजे सेट पर बुलाया जा रहा है और सुबह 10 बजे तक शूटिंग की जा रही है। इससे पहले फिल्म में विलेन बने सौरभ सचदेवा ने मोती महल लान में शूटिंग की थी। अंशुमान पुष्कर ने नेशनल इंटर कालेज से बच्चे के अपहरण का दृश्य फिल्माया था।

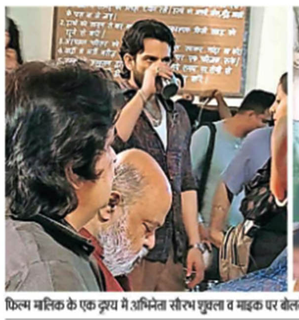

फिल्म मालिक के एक दृश्य में अभिनेता सौरभ शुक्ला व माइक पर बोलते दिखे अभिनेता राजकुमार राव • टीम

लवि कुलपति पहुंचे हास्टल, छात्रों से की बात

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर स्थित होमी जहांगीर भाभा विधि छात्रावास में कथित रैगिंग की घटना को संज्ञान में लेते हुए कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय शुक्रवार शाम को हास्टल पहुंचे। उनके साथ प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रोफेसर वीके शर्मा, मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, डीन विधि संकाय प्रो. बीडी सिंह, चीफ प्रवोस्ट प्रो. अनूप सिंह भी थे।

इस दौरान कुलपति ने हास्टल का निरीक्षण कर वहां रहने वाले छात्रों से बातचीत की। उनसे रैगिंग के संबंध में पूछा कि क्या ऐसी घटना हुई है? यह भी पूछा कि किन छात्रों को सीनियर्स अथवा किसी स्टाफ से किसी प्रकार की कोई असुविधा है? इस पर नव प्रवेशित छात्रों ने किसी घटना का सिरे से खंडन किया। कहा, कि इस प्रकार की कोई भी घटना विधि छात्रावास में नहीं हुई है। कुलपति ने अन्य वर्ष के छात्रों से भी भी छात्रों ने रैगिंग के किसी भी घटना से इन्कार किया।

कुलपति ने बताया कि होमी जहांगीर भाभा में रैगिंग होने की घटना के बारे में विश्वविद्यालय प्रशासन से भी किसी छात्र ने अभी तक कोई शिकायत नहीं की थी। फिर भी छात्रहित को देखते हुए छात्रावास का निरीक्षण कर छात्रों से बात की। वहीं, छात्रों ने भी पत्र जारी कर घटना से इन्कार किया।

द्वितीय परिसर स्थित होमी जहांगीर भाभा ला हास्टल में कथित रैगिंग की घटना का संज्ञान लेकर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने वहां छात्रों से बात की • सौजन्य से लवि

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि छात्रावास में कथित रैगिंग की घटना से छात्रों ने किया इन्कार

अलग-अलग और समूह में पूछा कि क्या किसी को इस प्रकार की किसी घटना में बारे में कोई सूचना है? सभी सीनियर छात्रों ने इससे इन्कार किया। इसके बाद कुलपति ने कौटिल्य छात्रावास का भी निरीक्षण कर वहां के छात्रों से बात की। वहां

प्राक्टोरियल टीम ने हास्टल में किया निरीक्षण

हास्टल में रैगिंग की सूचना के बाद प्राक्टोरियल बोर्ड ने मुख्य परिसर के एलबीएस हास्टल में गुरुवार देर रात औचक निरीक्षण किया। टीम को देखकर दूसरे हास्टल के कई छात्र वहां से भाग निकले। वहीं, हास्टल के पास दो सीनियर छात्र टहलते भी मिले। इनमें कुछ छात्र हबीबुल्लाह के बताए जा रहे। तुरंत ही टीम ने महमूदाबाद हास्टल के एक-एक कमरे में छात्रों को उपस्थित देखी, दो-तीन लोग गायब मिले। अब प्राक्टोरियल बोर्ड सभी को चिह्नित कर नोटिस देकर जवाब मांगेगा।

रिवाल्वर संग कैंपस आए दो व्यक्ति पकड़े गए

जानकीपुरम के द्वितीय परिसर में बनी कैंटीन के पास दो व्यक्ति चार पहिया वाहनों में अपने साथियों के साथ कैंपस पहुंच गए। उनके पास रिवाल्वर होने की सूचना मिलते ही प्राक्टोरियल बोर्ड ने तुरंत जानकीपुरम पुलिस को फोन करके बुलाया और उनके हवाले कर दिया। एडमिशनल प्राक्टर प्रो. मोहम्मद अहमद ने जानकीपुरम थानाध्यक्ष को लिखित शिकायत करते हुए दोनों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के लिए कहा है। अभी यह नहीं पता चल पाया है कि यह विश्वविद्यालय के छात्र हैं या बाहरी।

घटना हुई तो कठोर कार्रवाई

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन रैगिंग के प्रति अति संवेदनशील हैं। यदि भविष्य में भी इस प्रकार की किसी घटना के बारे में जानकारी होती है तो नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सूचना पर पहुंची पुलिस

द्वितीय परिसर में रैगिंग का मामला चर्चा में रहा। सूचना पर जानकीपुरम थाने की पुलिस भी परिसर पहुंची। एडिशनल प्राक्टर से मिलकर मामले की जानकारी ली। बताया गया कि किसी भी छात्र ने इसकी शिकायत नहीं की है।

AMRIT VICHAR PAGE 5

छात्रों से वार्ता करते हुए कुलपति व अन्य प्रशासनिक अधिकारी।

रैगिंग की सूचना पर कुलपति ने किया छात्रावास का निरीक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के जानकीपुरम स्थित द्वितीय परिसर में रैगिंग की घटना को विश्वविद्यालय प्रशासन सिरे से खारिज कर रहा है। दावा है कि निरीक्षण के दौरान छात्रों ने ऐसी घटना से इनकार करते हुए लिखित में बयान भी दिया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के जानकीपुरम स्थित द्वितीय परिसर में सीनियर छात्रों द्वारा जूनियर छात्रों को परेशान करने की चर्चा हुई थी। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि शुक्रवार को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने प्रति कुलपति प्रोफेसर मनुका खन्ना, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रोफेसर वीके शर्मा, मुख्य कुलानुशासक प्रो राकेश द्विवेदी के साथ द्वितीय परिसर में स्थित होमी जहांगीर भाभा छात्रावास का निरीक्षण किया। यहां निवास करने वाले उपस्थित छात्रों से वार्ता की। छात्रों ने रैगिंग की घटना से इनकार किया है। कुलपति ने छात्रों से किसी तरह की घटना होने पर शिकायत करने की बात कही है वहीं, सूत्रों का कहना है कि अचानक हुए निरीक्षण के दौरान छात्रावास में कुछ आपत्तिजनक चीजे भी बरामद हुई। जिसे लेकर छात्रों को हिदायत दी गई है।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

उर्दू भाषा को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक तकनीक का करें उपयोग : प्रो. आलोक राय

लखनऊ। शोध का प्रारंभिक बिंदु कठिनाइयों और समस्याओं की पहचान है और अंत मौजूदा ज्ञान में वृद्धि है। साहित्य के शोध परिविधि के माध्याम से सुई की तरह देखना, सोचना और समझना चाहिए और शोध उद्देश्य तक जाना चाहिए।

ये विचार लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उर्दू विभाग के संयोजकत्व में आयोजित की गयी सात दिवसीय शोध कार्यशाला में अपने अध्यक्षीय भाषण में व्यक्त किये। प्रतिकुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने बताया कि शोध कार्यशाला में लखनऊ विश्वविद्यालय के नौ विभागों के शोधार्थी तथा आठ विश्वविद्यालयों के 96 शोधार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं। समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष एवं चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी ने कहा कि भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में कार्यशालाएं कम ही देखने को मिलती हैं। कार्यशाला अनुसंधान की गुणवत्ता, नई सोच, विकासवादी विचारों, अनुसंधान नैतिकता को मजबूत करने में मदद करेगी। डीन कला संकाय प्रो. अरविंद मोहन ने कहा कि 21 वीं सदी शुद्ध ज्ञान की सदी है। उर्दू विभाग के समन्वयक एवं शोध कार्यशाला के संयोजक डॉ. फाजिल अहसन हाशमी ने कहा कि उर्दू, हिन्दी, संस्कृत, फारसी, अरबी, ओरिएंटल, अंग्रेजी, भाषाविज्ञान, सामाजिक कार्य और इतिहास विभाग के शोध प्रतिभागी इस कार्यशाला में बौद्धिक आदान-प्रदान कर सकेंगे जो सामाजिक और अनुसंधान संस्कृति को मजबूत करेगा। इस अवसर पर कुलपति ने फाजिल अहसन हाशमी की संकलित पुस्तक हिंदुस्तानी तहजीब के अलमबरदार : नजीर अकबराबादी' का विमोचन भी किया। डीन रिसर्च प्रो. एमएम वर्मा, डीन मैनेजमेंट प्रो. संगीता साहू, अध्यक्ष अर्थशास्त्र प्रो. विनोद सिंह, निदेशक सांस्कृतिक समिति प्रो. आंचल श्रीवास्तव, अध्यक्ष इतिहास प्रो. सलमान रिजवी, डीन छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा, अध्यक्ष पुस्तकालय विज्ञान डॉ. प्रवीश प्रकाश, प्रो. अब्बास रजा नैय्यर, डॉ. जान निसार आलम, डॉ. मोहम्मद रेहान, डॉ. सिबते हसन आदि उपस्थित रहे।